स्वामी विवेकानंद जयंती

12 जनवरी 2026, गोरखपुर।

भारत–भारती पखवाड़ा 12–26 जनवरी के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी

भारत भारती पखवाड़ा 12 26 जनवरी के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयंती कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते मुख्य अतिथि श्री वेंकटेश्वरलू

भारत–भारती पखवाड़ा 12–26 जनवरी के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयंती कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि, प्राचार्य एवं शिक्षकगण

भारत–भारती पखवाड़ा 12–26 जनवरी के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयंती कार्यक्रम में उद्बोधन देते मुख्य अतिथि श्री एल. वेंकटेश्वरलू

भारत–भारती पखवाड़ा 12–26 जनवरी के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयंती कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि, शिक्षक एवं विद्यार्थी

विवेकानंद के कर्मयोग से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प - श्री एल. वेंकटेश्वरलू

“केवल अधिकारों की बात न करें, बल्कि कर्तव्यों को दें प्राथमिकता ” – श्री अश्वनी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में हुआ भारत - भारती पखवाड़ा का उद्घाटन

स्वामी विवेकानंद जयंती पर कर्मयोग से राष्ट्र निर्माण का आह्वान

स्वामी विवेकानंद जयंती केवल एक महान संत की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्र जागरण का दिवस है। युवाओं में आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और कर्मनिष्ठा का संचार करने वाले स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इसी विचारधारा से प्रेरित मिशन कर्म योग विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। स्वामी विवेकानंद ने कर्म को पूजा और सेवा को साधना माना। उनका स्पष्ट संदेश था कि राष्ट्र का उत्थान केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि निष्काम कर्म और सेवा भावना से होता है।

मिशन कर्म योग इसी भावना को आधुनिक संदर्भ में आगे बढ़ाते हुए नागरिकों को कर्तव्यनिष्ठ, दक्ष और उत्तरदायी बनने के लिए प्रेरित करता है।

उक्त बाते महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर 12 से 26 जनवरी 2025 तक चलने वाले भारत - भारती पखवाड़े के उद्घाटन कार्यक्रम में श्री अश्वनी जी जीवन व्रती, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी ने बतौर मुख्य वक्ता कहीं। श्री अश्वनी ने "मिशन कर्म योग एवं विकसित भारत" विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि आज जब भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब विवेकानंद के कर्मयोगी विचारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। सशक्त युवा, नैतिक प्रशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व–ये सभी तत्व स्वामी विवेकानंद के दर्शन और मिशन कर्म योग के मूल में निहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मिशन कर्म योग का मूल उद्देश्य नागरिकों में कर्तव्यबोध, दक्षता और नैतिकता का विकास करना है। यह मिशन इस विचार को सशक्त करता है कि प्रत्येक कार्य–चाहे वह छोटा हो या बड़ा–यदि निष्ठा और ईमानदारी से किया जाए, तो वह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कर्म योग की यही भावना भारतीय दर्शन की आत्मा रही है।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्री वेंकटेश्वरलू अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। यह चरित्र निर्माण, आत्मबल और राष्ट्र सेवा पर आधारित है। विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और आम नागरिक–यदि अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन विवेकानंद के कर्मयोगी आदर्शों के अनुरूप करें, तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया स्वतः तेज़ हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि आज जब देश प्रशासनिक सुधार, डिजिटल नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है, तब कर्मयोग आधारित कार्य संस्कृति की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। केवल योजनाओं की घोषणा से देश विकसित नहीं बनता, बल्कि उन्हें ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले कर्मयोगी ही राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं।

इसी क्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कहा कि यदि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक अपने कर्म को योग बना ले, तो भ्रष्टाचार, लापरवाही और अकर्मण्यता जैसी समस्याएँ स्वतः ही समाप्त होने लगेंगी। यही वह आधार है, जिस पर एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि निस्संदेह, मिशन कर्म योग केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना का आंदोलन है। इसके सफल क्रियान्वयन से ही भारत आत्मनिर्भर, नैतिक और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसके पूर्व भारत - भारती पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक डॉ० सुबोध कुमार मिश्र ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत किया तथा संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत मे महाविद्यालय के सफल संचालन हेतु विभिन्न आयामों जैसे छात्र- संघ, छात्रावास, राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., खेल और रोवर्स- रेंजर्स में उत्कृष्ट और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।